BY NAVNEET SIR Subscribe KGS TEACHING EXAM

हिन्दी

समास

Hindi WITH Navneet Sir

थोड़ा डुबूंगा, मगर मैं फिर तैर आऊंगा,
ऐ ज़िंदगी, तू देख,
मैं फिर जीत जाऊंगा

समास की परिभाषा

अलग अर्थ रखने वाले दो शब्दों या पदों (पूर्वपद तथा उत्तरपद) के मेल से बना तीसरा नया शब्द या पद समास या समस्त पद कहलाता है तथा वह प्रक्रिया जिसके द्वारा 'समस्त पद' बनता है, समास-प्रक्रिया कही जाती है।

•समास-प्रक्रिया में जिन दो शब्दों का मेल होता है, उनके अर्थ परस्पर भिन्न होते हैं तथा इन दोनों के योग से जो एक नया शब्द बनाते हैं; उसका अर्थ इन दोनों से अलग होता है।

•जैसा ऊपर बताया गया है, समास-रचना दो शब्दों या दो पदों के बीच होती है तथा इसमें पहला पद 'पूर्वपद तथा दूसरा पद उत्तर पद कहलाता है। 'पूर्वपद' तथा 'उत्तरपद' के संयोग से जो नया शब्द बनता है,उसे समस्तपद कहते हैं।

समास की परिभाषा

समास का अर्थ होता है संक्षिप्त, जब दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर एक नवीन एवं सार्थक शब्द का निर्माण होता है तब यह समास कहलाता है। वह शब्द जो समास के नियमो से निर्मित होते है, सामासिक शब्द कहलाते है | यह समस्तपद भी कहलाता है | शब्द के समास होने की बाद विभक्तियों के चिह्न (परसर्ग) लुप्त हो जाते हैं।उदहारण – राजपुत्र

1.समास में दो पदों का योग होता है।

2. दो पद मिलकर एक पद का रूप धारण कर लेते हैं।

3. दो पदों के बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है।

4. दो पदों में कभी पहला पद प्रधान और कभी दूसरा पद प्रधान होता है। कभी दोनों पद प्रधान होते हैं।

समास के प्रकार अथवा भेद: समास के अंतर्गत 6 प्रकार के समास होते हैं-

1. अव्ययी भाव समास
2. तत्पुरूष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वंद्व समास
6. बहुब्रीहि समास

अव्ययीभाव समास (Extravagance)

प्रथम या **पूर्व पद** की **प्रधानता** होती है।

– पहला पद **अव्यय** होता है।

– दूसरा या **अंतिम** पद **संज्ञा** होता है।

– **समस्त पद क्रिया विशेषण** के रूप में प्रयुक्त होता है।

– **पहला** पद प्रायः **छोटा** होता है।

– शब्द में **उपसर्ग** का लगा होना (किसी भी शब्द में **उपसर्ग पहले** लगता है मतलब आगे,और **प्रत्यय बाद में** अर्थात् अंत में लगता है)।

– किसी **एक शब्द की पुनरावृत्ति** अर्थात् एक ही शब्द का दो बार प्रयोग होने से भी अव्ययी भाव समास बनता है.

एक ही प्रकार के शब्द को दो बार लिखा जाता है वे शब्द समान होते हैं.

समस्तपद	अव्यय	विग्रह
आजीवन	आ	जीवन भर
यथोचित	यथा	जितना उचित हो
यथाशक्ति	यथा	शक्ति के अनुसार
भरपूर	भर	पूरा भरा हुआ
आमरण	आ	मरण तक
अनुरूप	अनु	रूप के अनुसार
बेखटके	बे	बिना खटके के
प्रतिदिन	प्रति	दिन-दिन/हर दिन
हरघड़ी	हर	घड़ी-घड़ी
प्रत्येक	प्रति	एक-एक
बाअदब	बा	अदब के साथ

तत्पुरूष समास

1. तत्पुरूष समास में **दूसरा, अंतिम** या उत्तर पद की **प्रधानता** होती है।
2. इस समास में बीच के कारक- चिन्ह का **लोप** हो जाता है।
3. दूसरा पद **छोटा** होता है।

तत्पुरूष समास के कारक चिन्ह:

कारक चिन्हों की संख्या 8 है लेकिन **तत्पुरूष समास में 6 कारक चिन्हों का प्रयोग किया जाता है,** कर्ता और सम्बोधन का प्रयोग नही किया जाता है कारक चिन्ह-

प्रयोग:

(1) कर्म – को

(2) करण – से, द्वारा

(3) सम्प्रदान – के लिए

(4) अपादान – से (अलगाव, विमुख)

(5) संबंध – का, की

(6) अधिकरण – में, पर

तत्पुरूष समास के उदाहरण:

शरणागत – शरण **को** आगत (कर्म तत्पुरूष)

हस्तलिखित – हाथ **से** लिखित (करण तत्पुरूष)

तुलसीकृत – तुलसी **द्वारा** कृत (करण तत्पुरूष)

रसोई घर – रसोई **के लिए** घर (सम्प्रदान तत्पुरूष)

हथकड़ी – हाथ **के लिए** कड़ी (सम्प्रदान तत्पुरूष)

रोग मुक्त – रोग **से** मुक्त (अपादान तत्पुरूष)

देव पुत्र – देव **का** पुत्र (संबंध तत्पुरूष)

लोकप्रिय -लोक **में** प्रिय (अधिकरण तत्पुरूष)

आत्मनिर्भर – आत्म **पर** निर्भर (अधिकरण तत्पुरूष)

कर्मधारय समास

1. सभी पद **समानाधिकरण** होते हैं।
2. **प्रथम** पद **विशेषण** होता है। और **दूसरा** पद **विशेष्य** होता है।
3. **विशेषण** उसे कहते हैं, जो किसी की **विशेषता** बताये और **विशेष्य** वह है **जिसकी विशेषता** बतायी जा रही है विशेष्य संज्ञा है।
4. कर्मधारय समास **उपमान** और **उपमेय** से मिलकर बनते हैं।

प्र उपसर्ग वाले शब्द भी **कर्मधारय** समास बनाते हैं जैसे: **महात्मा, चरण,कमल ,पीतसागर ,चन्द्रमुख ,परमेश्वर ,पुत्ररत्न,महापुरुष ,नीलोत्पल ,सज्जन ,नरसिंह,घनश्याम,सदभावना**

द्विगु समास

1. **पहलापद संख्यावाची** होता है। **दूसरा** पद **संज्ञा** होता है।
2. द्विगु समास **समूह** में होता है यह कर्मधारय समास का भी एक प्रकार है।द्विगु समास में **पहला पद संख्यात्मक** विशेषण होता है।

त्रिलोक	–	तीन लोकों का समूह
पंचवटी	–	पांच वटों का समूह
चौराहा	–	चार राहों का समूह
सतसई	–	सात सौ का समूह
नवग्रह	–	नौ ग्रहों का समूह
त्रिभुवन	–	तीन भुवनों का समूह

द्वंद्व समास

द्वंद्व समास में सभी पद प्रधान होते हैं अर्थात् **दोनों पद समान** होते हैं।

द्वंद्व समास के तीन भेद

(1) **इतरेतर द्वंद्व समास** -इस प्रकार के समास में सभी पद **स्वतंत्र** होते हैं बीच में और **छिपा** होता है।जैसे:- भाई-बहन , माता-पिता आदि

(2) **समाहार द्वंद्व समास** – इस समास में **बीच में और छिपा** होने के बाद भी अलग-अलग ना होकर **समूह** का बोध कराते हैं।जैसे:- हाथ-पाँव, दाल-रोटी आदि

(3) **वैकल्पिक द्वंद्व समास** – इस प्रकार के समास में बीच में **'या'** एवं **'अथवा'** छिपा होता है। जैसे:- कम-ज्यादा , ठंडा-गरम इत्यादि

पाप -पुण्य

सीता – राम

दाल – रोटी

भला – बुरा

राम – कृष्ण

ठण्डा – गरम

भाई – बहन

बहुब्रीहि समास

बहुब्रीहि समास में दोनों ही पदों में **कोई भी पद प्रधान नही होता** कोई **अन्य पद ही प्रधान** हो जाता है। **समस्त पद अन्य** के रूप में प्रयुक्त होते हैं।

जिसका-वह ,जिसके-वह, जो-वह और स (साथ) के अर्थ में प्रयुक्त होता है

मतलब **पहला पद स** हो जैसे- सपरिवार

पीताम्बर – पीत है अम्बर जिसका

चन्द्रमौली – चन्द्र है मौली पर जिसके

वीणापाणि – वीणा है पाणि में जिसके

दशानन – दस है आनन जिसके

दिगम्बर – दिक् है अम्बर जिसका

कर्मधारय तथा द्विगु समास में अंतर

कर्मधारय समास	द्विगु समास
(क) कर्मधारय समास का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण के अलावा कोई भी विशेषण होता है।	(क) द्विगु समास का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण होता है।
(ख) पूर्वपद प्राय: गुणवाचक विशेषण होता है।	(ख) पूर्वपद संख्यावाचक ही होता है।
(ग) विग्रह करते समय उत्तरपद के साथ 'समूह' या 'समाहार' शब्द का प्रयोग नहीं किया जाता।	(ग) विग्रह करते समय उत्तरपद के बाद 'समूह या 'समाहार' शब्द का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाता है।

कर्मधारय तथा द्विगु समास में अंतर

समस्तपद	विग्रह-I (कर्मधारय)	विग्रह-II (द्विगु)
त्रिलोचन	तीन नेत्र	तीन नेत्रों का समाहार
चतुर्भुज	चार भुजाएँ	चार भुजाओं का समाहार
चौराहा	चार राहें	चार राहों का समाहार

द्विगु तथा बहुव्रीहि समास में अंतर

द्विगु समास	बहुव्रीहि समास
(क) द्विगु समास में समस्तपद का पहला पद गौण होता है तथा उत्तरपद प्रधान।	(क)बहुव्रीहि समास में समस्तपद के दोनों पद गौण होते हैं तथा तीसरा बाहरी पद प्रधान।
(ख) दुविगु समास का पहला पद संख्यावाची विशेषण होता है।	(ख) बहुव्रीहि समास में समस्तपद के दोनों पद मिलकर तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं।
(ग) विग्रह करते समय उत्तरपद के साथ 'समूह' या समाहार' शब्द जोड़े जाते हैं।	(ग) विग्रह करते समय 'समूह'/समाहार' शब्द नहीं जोड़े जाते।

द्विगु तथा बहुव्रीहि समास में अंतर

समस्तपद	विग्रह-1 (द्विगु)	विग्रह-II (बहुव्रीहि)
तिरंगा	तीन रंगों का समाहार	तीन रंग हैं जिसके अर्थात भारतीय राष्ट्रध्वज
दशानन	दस मुखों का समाहार	दस मुख हैं जिसके अर्थात रावण

उद्देश्य :-वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाये उसे उद्देश्य कहते हैं।
सरल शब्दों में- जिसके बारे में कुछ बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।
जैसे- पूनम किताब पढ़ती है। सचिन दौड़ता है।
इस वाक्य में पूनम और सचिन के विषय में बताया गया है। अतः ये उद्देश्य है। इसके अंतर्गत कर्ता और कर्ता का विस्तार आता है जैसे- 'परिश्रम करने वाला व्यक्ति' सदा सफल होता है। इस वाक्य में कर्ता (व्यक्ति) का विस्तार 'परिश्रम करने वाला' है।

खोल दे पंख मेरे
कहता है परिंदा,
अभी और उड़ान बाकी है,
जमीन नहीं है मंजिल मेरी,
अभी पूरा आसमान बाकी है।

Q.1 निम्न में से कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य नहीं है?

(A) मैंने एक पुस्तक खरीदी जो नई है

(B) यह वही बच्चा है, जिसे बैल ने मारा

(C) एक विज्ञान गोष्ठी हुई, जिसमें अनेक वक्ता बोले

(D) वह परिश्रमी ही नहीं वरन् ईमानदार भी है

Q.2 सरल वाक्य है

(A) उसके आने का समय निश्चित नहीं है

(B) मुझे बताओ कि तुम कहाँ रहते हो

(C) वह घर पर मिलेगा, तो मैं अवश्य बात करूँगा

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.3 इनमें से मिश्र वाक्य कौन-सा है?

(A) यौवन चरित्र निर्माण का समय है

(B) जो लोग स्वस्थ रहते हैं, उन्हें वैद्य के पास नहीं जाना पड़ता है

(C) करो या मरो

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.2 लम्बोदर

(a) द्वन्द्व

(b) द्विगु

(c) बहुव्रीहि

(d) कर्मधारय

C

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.3 दशमुख

(a) तत्पुरूष

(b) द्विगु

(c) कर्मधारय

(d) बहुव्रीहि

d

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.4 दशमुख

(a) तत्पुरूष

(b) द्विगु

(c) कर्मधारय

(d) बहुव्रीहि

b

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.5 कार्यकुशल

(a) कर्मधारय

(b) द्वन्द्व

(c) बहुव्रीहि

(d) तत्पुरूष

d

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.6 पर्णकुटी

(a) तत्पुरूष

(b) द्वन्द्व

(c) कर्मधारय

(d) बहुव्रीहि

a

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.7 हानि–लाभ

(a) कर्मधारय

(b) तत्पुरूष

(c) द्वन्द्व

(d) द्विगु

C

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.8 नरसिंह

(a) द्वन्द्व

(b) तत्पुरूष

(c) कर्मधारय

(d) बहुव्रीहि

C

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.9 प्रतिमान

(a) कर्मधारय

(b) अव्ययीभाव

(c) तत्पुरूष

(d) बहुव्रीहि

b

निम्नलिखित प्रत्येक शब्द के लिए उसके नीचे दिए गए विकल्पों मे से उपयुक्त समास का चयन करें।

Q.10 उद्योगपति

(a) द्वन्द्व

(b) बहुव्रीहि

(c) तत्पुरूष

(d) कर्मधारय

C

Q.11 'लिखने–पढ़ने' में कौन–सा समास है ?

(a) द्विगु

(b) द्वन्द्व

(c) तत्पुरूष

(d) कर्मधारय

b

Q.12 'अष्टाध्यायी' समास है –

(a) द्वन्द्व

(b) द्विगु

(c) तत्पुरूष

(d) कर्मधारय

b

Q.13 'निम्नांकित शब्दों में से 'सम्बंध बहुव्रीहि' सामासिक शब्द है –

(a) दशानन

(b) लुप्तपद

(c) प्राप्तोदक

(d) उपहृतपशु

a

Q.14 'पॉकिटमार' शब्द में समास है –

(a) अव्ययीभाव

(b) तत्पुरूष

(c) कर्मधारय

(d) द्वन्द्व

b

Q.15 द्वंद्व समास है –

(a) लम्बोदर

(b) अधकूप

(c) नर–नारी

(d) शरणागत

d

Q.16 'अनुरूप' सरल पद में कौन–सा समास है ?

(a) तत्पुरूष

(b) कर्मधारय

(c) अव्ययीभाव

(d) बहुव्रीहि

C

Q.17 कौन–सा शब्द अव्ययी भाव समास का उदाहरण है ?

(a) नवग्रह

(b) गाँठकर

(c) महात्मा

(d) आमरण

d

Q.18 'निर्विवाद' में समास है –

(a) कर्मधारय

(b) अव्ययीभाव

(c) तत्पुरूष

(d) बहुव्रीहि

b